

H/10

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा : बी.कॉम	वर्ष: प्रथम वर्ष	सत्र: 2021-22

विषय: वित्तीय लेखांकन

1	पाठ्यक्रम का कोड	C1-COMA1T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	वित्तीय लेखांकन (प्रथम पत्र) -1	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	कोर	
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)	सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	<p>इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने पर, छात्र निम्न में सक्षम होगा:</p> <ul style="list-style-type: none"> • लेखांकन की मूल बातों का वैचारिक ज्ञान प्राप्त करना • उन घटनाओं की पहचान करें जिन्हें लेखांकन रिकॉर्ड में दर्ज करने की आवश्यकता है • GAAP के अनुसार वित्तीय लेनदेन रिकॉर्ड करने और रिपोर्ट तैयार करने का कौशल विकसित करना • लेखांकन जानकारी की भूमिका और इसकी सीमाओं का वर्णन करें • एकमात्र व्यापारी के लेखा प्रक्रिया और अंतिम खातों की तैयारी के ज्ञान से लैस • रोकड़ बही और पासबुक शेष के बीच अंतर के कारणों को पहचानें और उनका विश्लेषण करें • त्रुटियों और धोखाधड़ी के बढ़ते जोखिम के लिए प्रदान करने वाली परिस्थितियों को पहचानें 	
6	क्रेडिट मान	6	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या 75 (प्रति सप्ताह घंटे में): L:

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	लेखांकन : भारतीय इतिहास। परिभाषा, उद्देश्य, मूल अवधारणाएं व दोहरा प्रविष्टि प्रणाली के सिद्धांत जर्नल प्रविष्टि, खाते, सहायक पुस्तकें, तलपट भारतीय लेखा मानकों के परिचय का विस्तृत अध्ययन समायोजन के साथ अंतिम खाता तैयार करना	15
2	मूल्य ह्रास के लिए लेखांकन (लेखा मानक 6 के अनुसार), शाखा लेखे,	15
3	अधिकार शुल्क खाते, विभागीय लेखे	15
4	गैर व्यापारी संस्थाओं के लेखे, प्रेषण खाते, विनियोग लेखे डा. विनोद कुमार मिश्रा अध्यक्ष	15

व्यक्तिगत संकेतक एवं व्याख्यान प्रस्तुत किया.
डॉ. डी. डी. मि. जयपुर

(DR. PAVAN MISHRA)
(DR. PAVAN MISHRA)

11/2

5	साझेदारी खाते साझेदारी का विघटन दिवालिया सहित साझेदारी फर्मों का एकीकरण, सीमित दायित्व साझेदारी का लेखांकन, फर्म का संयुक्त स्कंध प्रमंडल में परिवर्तन	15
6	कम्प्यूटरीकृत खाते : किसी भी लोकप्रिय लेखा सॉफ्टवेयर का उपयोग करके। एक कंपनी बनाना, विन्यास करना और सुविधाओं को सेट करना, लेखांकन वही खाता और समूह बनाना, स्टॉक मुद्र और समूह बनाना, बाउचर प्रविष्टि (प्रमाणको का रखरखाव के साथ), रिपोर्ट तैयार करना - कैश बुक, खाता बही खाता, परीक्षण शेप, लाभ और हानि खाता और बैलेंस शीट	15

सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग: वित्तीय खाता, मूल्यहास, लेखा मानक, शाखा खाता, रॉयल्टी खाता, साझेदारी खाता, कम्प्यूटरीकृत खाते।

भाग स-अनुशासित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

स. क्र.	लेखक	पुस्तक का नाम	प्रकाशक
1		मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल की पुस्तक।	
2	शारदा गंगवार और एच.एन. मिश्रा	वित्तीय लेखांकन का परिवय	हिमालया पब्लि नागपुर
3	शुक्ल डॉ. एस.एम्.	वित्तीय लेखांकन	साहित्य भवन पब्लिकेशन आगरा
4	अग्रवाल डॉ.महेश	वित्तीय लेखांकन	रामप्रसाद एंड संस भोपाल
5	मेहता डॉ. संजय & ब्रह्मभट्ट	वित्तीय लेखांकन	देवी अहिल्या प्रकाशन इंदौर
6	Gupta R.L. and Radhaswamy M	Advance Accounting	S Chand & Sons New Delhi
7	Shukla & Grewal	Financial Accounting	S Chand & Sons
8	Maheshwari S.N.	An Introduction to Accountancy	Vikas publication New Delhi
9	मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी द्वारा प्रकाशित इस विषय की पुस्तकें		

Pavan Mishra
(DR. PAVAN MISHRA)

Dr. Vinod Kumar Mishra
अध्यक्ष
रा. ड. वि. वि., जबलपुर

Shakti

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा :बी.कॉम.	वर्ष:प्रथम वर्ष	सत्र:2021-22
विषय:व्यावसायिक नियमन इपरेखा			
1	पाठ्यक्रम का कोड	CI COMA 21	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	व्यावसायिक नियमन इपरेखा समूह2(प्रश्न पत्र 2)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर.)	कोर	
4	पूर्वपिक्षा (यदि कोई हो)	सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)	
5	पाठ्यक्रम अध्धयन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	.इस पाठ्यक्रम के अध्धयन से छात्र- छात्राएं : सामान्य व्यापार कानून के मुद्दों के व्यावहारिक कानूनी ज्ञान प्राप्त करेंगे. एक वैध अनुबंध की अनिवार्यता को समझेंगे, माल की बिक्री और एक बिक्री अनुबंध और उपचारात्मक उपायों के प्रदर्शन के संबंध में विभिन्न कानूनों की समझ प्राप्त होगी, भारत में उपभोक्ता संरक्षण के लिए विभिन्न कानून के साथ विभिन्न उपभोक्ता मंचों के कार्यसेछात्रों को परिचित होंगे तथा साइबर कानूनों के संबंध में अर्थ और विभिन्न विधानों का भी उन्हें ज्ञान होगा..	
6	क्रेडिट मान	6	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक:33
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह घंटे में): L: 3			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
1	भारत में व्यावसायिक सन्नियमों की एतिहासिक पृष्ठभूमि, भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872-सामान्य उपबंध		
2	हानि रक्षा एवं प्रतिभूति अनुबंध (धारा 124 से 147 तक)		
3	पराक्राम्य विलेख अधिनियम 1881 का सामान्य परिचय तथा संशोधित पराक्राम्य विलेख(संशोधन) अधिनियम २००२ का परिचय		
4	उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 का सामान्य परिचय एवं उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2018 का परिचय एवं वर्णन फेमा		
5	भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932		
	सीमित देयता साझेदारी अधिनियम, 2008,		

डॉ. विनोद कुमार मिश्रा
अध्यक्ष
व्यवहारिक अध्यसाय एवं व्यावसायिक प्रशासन विभाग,
रा. ड. वि. वि., जबलपुर

Handwritten signature

Handwritten signature

Handwritten signature

Handwritten signature
Shakti

Handwritten signature

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम: डिग्री	कक्षा : बी.कॉम	वर्ष: प्रथम	सत्र: 2021-22
विषय: वाणिज्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड	CI- COMA 2T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	व्यवसायिक संगठन एवं संचार	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर	
4	पूर्वपिछा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्सलर्निंग आउटकम)(CLO)	इस पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद यह उम्मीद की जाती है कि छात्र व्यवसाय की मूल बातें समझ जाएगा और यह समझने में सक्षम होगा कि किसी भी व्यवसाय को सफलतापूर्वक कैसे व्यवस्थित किया जा सकता है। संचार से संबंधित अध्याय यह स्पष्ट करने में सक्षम होंगे कि आधुनिक व्यावसायिक परिदृश्य में संचार कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।	
6	क्रेडिट मान	6	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-थ्योरीयल-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): T:P:		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	परिचय: भारत के पारम्परिक व्यवसाय और उनकी संगठनात्मक संरचनाएं, व्यापार, व्यवसाय, उद्योग और वाणिज्य की अवधारणा। व्यवसाय, उद्योग और वाणिज्य का सम्बंध और वर्गीकरण। व्यवसायिक संगठन: अवधारणा, विशेषताएं एवं उद्देश्य। व्यवसाय के कार्य एवं सामाजिक दायित्व। नवप्रवर्तन हेतु आवश्यक कदम।	15
2	व्यवसायिक संगठन के प्रकार: व्यावसायिक संगठन: वर्गीकरण उपयुक्त संगठन के चयन को प्रमाणित करने वाले तत्व। एकल व्यवसाय एवं साझेदारी व्यवसाय: अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं, लाभ। को, ऑपरेटिव संगठन: अर्थ-कार्य एवं सीमाएं।	15
3	कम्पनी का संगठन: निजी कम्पनी और सार्वजनिक कम्पनी की अवधारणा अन्वय निर्माण, विशेषताएं एवं औचित्य। बहुराष्ट्रीय कम्पनीयां कार्य और भारत में इनके संगठन में आने वाली चुनौतियां।	15
4	संचार: परिभाषा, स्वभाव, महत्व, उद्देश्य। संचार के सिद्धांत एवं प्रक्रिया: जानकारी का सिद्धांत, इंटरैक्शन, का सिद्धांत (परस्पर क्रिया) ट्रान्सेक्शन सिद्धांत। संचार प्रक्रिया के आवश्यक तत्व। प्रभावी संचार को प्रमाणित करने वाले तत्व बाधाएं। भाषायी बाधाएं, मनोवैज्ञानिक बाधाएं, अन्तरव्यक्तिक बाधाएं, सांस्कृतिक बाधाएं, भौतिक बाधाएं, संगठनात्मक बाधाएं।	15
5	लिखित संचार: लेखन तकनीक एवं निर्देश, पत्र लेखन: व्यावसायिक पत्र: मूलभूत सिद्धांत, आशय एवं प्रकार। रिपोर्ट लेखन एवं प्रकार। मौखिक संचार: विभिन्न अवसरों में दिए जाने वाले भाषण, प्रभावी श्रवण हेतु दिशा निर्देश, नौकरी हेतु साक्षात्कार, जानकारियों के प्रकार।	15

डॉ. विनोद कुमार मिश्रा
अध्यक्ष
व्यवसायिक एवं व्यावसायिक प्रशासन विभाग,
रा. दु. वि. सं., जबलपुर

20/10/2021

Shakti

412

6	संचार के आधुनिक आयाम: ई-मेल, वीडियो कान्फ्रेंसिंग, विश्व व्यापार हेतु अंतर्राष्ट्रीय संचारासूचना प्रौद्योगिकी: प्रौद्योगिकी का रूप, आधुनिक संचार प्रणाली में उपयोग। आधुनिक व्यवसाय में सोशल मीडिया की भूमिका।	15
---	---	----

सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग:

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

1. लेखक उपनाम, प्रथमाक्षर "पुस्तक शीर्षक", प्रकाशक नाम, शहर संस्करण नं. (यदि कोई हो)।

Text books:

s.n.	Author	Book title	publisher	City	ISBN
1.	T.N. Chhabra,	Business Communication	Himalaya Publishing House	New Delhi	978-93-5299-181-5
2	K.K. Sihna,	Essentials of Business Communication	VK Global publications	Faridabad	9380901607
3	Dr. Ramesh Mangal	Business Communications	Universal Publication Agra		

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द -अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसितसतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक: 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

आंतरिक मूल्यांकन:	कुलास टेस्ट	15
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	ऑनलाइन मॉड/प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	10
		कुल अंक: 25
आकलन:	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)	03 x 03 = 09
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	04 x 09 = 36
समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	02 x 15 = 30
		कुल अंक 75

कोई टिप्पणी/सुझाव:

(Signature)

(DR. PAVAN MISHRA)

डॉ. विनोद कुमार मिश्रा

अध्यक्ष

व्यावहारिक अर्थशास्त्र एवं व्यवसायिक प्रशासन विभाग,
रा. डू. वि. वि., जबलपुर

(Signatures)

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा : बीकॉम	वर्ष: प्रथम वर्ष	सत्र: 2021-22
विषय: वाणिज्य - व्यावसायिक अर्थशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कोड	C1-COMC1T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	व्यावसायिक अर्थशास्त्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	इलेक्टिव	
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)	सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	<p>व्यावसायिक अर्थशास्त्र के अध्ययन से विद्यार्थीगण</p> <ul style="list-style-type: none"> आर्थिक गतिविधियों के फलस्वरूप बाज़ार में वस्तुओं की कीमतों में उतार चढ़ाव से परिचित होंगे, मांग पूर्ति के सिद्धांत से कीमते एकाएक कम या अधिक क्यों हो जाते हैं ये ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे उत्पत्ति के समस्त साधनों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे जो उन्हें एक अच्छा उद्यमी बनाने पूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकार और अपूर्ण प्रतियोगिता के ज्ञान के साथ इन स्थितियों में कीमत कैसे निर्धारित होती है ये भी जान सकेंगे। 	
6	क्रेडिट मान	6	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह घंटे में): L: 3			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
1	भारत में अर्थशास्त्र की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि कौटिल्य के विशेष संदर्भ में, अर्थशास्त्र की परिभाषा व्यष्टिगत एवं समष्टिगत अर्थशास्त्र की अवधारणा आर्थिक अध्ययन की रीतियां अर्थशास्त्र के नियम एवं उनकी प्रकृति, अर्थशास्त्र का महत्व, अर्थव्यवस्था की आधारभूत समस्याएँ	15	
2	मांग की लोच: मांग की लोच की अवधारणा एवं मांग की कीमत, आय एवं आडी लोच, औसत आगम, सीमांत आगम तथा मांग की लोच, मांग की लोच का निर्धारण, मांग की मूल्य सापेक्षता का महत्व	15	
1	उत्पत्ति के साधन: भूमि, श्रम: श्रम विभाजन श्रम की कार्यकुशलता, पूंजी, संगठन व साहस, उत्पादन का पैमाना, जनसंख्या के सिद्धांत.	15	
4	उत्पादन फलन व प्रतिफल के नियम, पैमाने का प्रतिफल, समोत्पाद वक्र विश्लेषण, बाजार एवं उसका वर्गीकरण, लागत का सिद्धांत व आगम की अवधारणा	15	
5	पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत निर्धारण व फर्म का सामू, एकाधिकार कीमत व उत्पादन निर्धारण एवं एकाधिकार नियंत्रण, एकाधिकार के अंतर्गत कीमत विभेद, अपूर्ण एवं एकाधिकृत प्रतियोगिता कीमत निर्धारण	15	
6	लगान अवधारणा, रिकार्डों का लगान सिद्धांत, लगान का आधुनिक सिद्धांत, आभास लगान, मजदूरी अवधारणा, नगद व असल मजदूरी, मजदूरी निर्धारण के सिद्धांत, ब्याज अवधारणा एवं ब्याज के सिद्धांत, लाभप्रकृति अवधारणा व लाभ के सिद्धांत.	15	
सार बिंदु (कीवर्ड)/टिप: अर्थशास्त्र, अध्ययन की रीतियां, मांग की कीमत, उत्पत्ति के साधन, लगान, ब्याज			

डॉ. विनोद कुमार मिश्रा
अध्यक्ष

वाणिज्य - अर्थशास्त्र एवं व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग,
रा. ड. वि. वि., जयपुर


(PROF. PAVAN MISHRA)

श्रीकांति

भाग ए परिचय		
कार्यक्रम: प्रमाणपत्र	वर्ष: प्रथम वर्ष	सत्र: 2021-22
पाठ्यक्रम क्रमांक	VI-COM-REMT	
पाठ्यक्रम शीर्ष	खुदरा प्रबंधन	
पाठ्यक्रम का प्रकार	व्यवसायिक	
पूर्व आवश्यकता यदि कोई हो	सभी संकाय के विद्यार्थियों के लिए	
पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम सीएलओ	<p>पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद, छात्र निम्नलिखित में सक्षम होगा:</p> <ul style="list-style-type: none"> • खुदरा प्रबंधन की मौलिक अवधारणा की समझ। • दुकानदार के व्यवहार की समझ। • उपभोक्ता के व्यवहार की समझ। • व्यापारिक प्रबंधन की समझ। • विजुअल मर्चेडाइजिंग की समझ। • ईरिटेलिंग प्रणाली की समझ। • ईभुगतान प्रणाली की समझ। 	
अपेक्षित नौकरी की भूमिका करियर के अवसर	<p>रोजगार के अवसर, रिटेल आउटलेट ओनर, रिटेल मैनेजमेंट कंसल्टेंट, रिटेल सर्विस प्रोवाइडर</p> <p>विंडो ड्रेसिंग, रिटेल आउटलेट डिजाइनर, रिटेल इन्वेंटरी मैनेजर, ब्रांडेड कंपनियों में मर्चेडाइज प्रोफेशनल, विजुअल मर्चेडाइजर, ईकॉमर्स बिजनेस ऑपरेटर।</p>	
क्रेडिट मूल्य	4	

[Signature]
Dr. R.K. Patel

[Signature]
Dr. R.K. Patel
(we are technical)

[Signature]
Dr. R.K. Patel

भाग बी पाठ्यक्रम की सामग्री

व्याख्यानों की कुल संख्या + प्रैक्टिकल (प्रति सप्ताह घंटों में): व्याख्यान -1 घंटा / प्रैक्टिकल अवधि -1 प्रायोगिक घंटा

व्याख्यान/प्रैक्टिकल की कुल संख्या : L-30hrs/P-30hrs

Module.	Topics	No. of Hours
I	<p>खुदरा प्रबंधन की मूल बातें</p> <p>1. खुदरा बिक्री की मूल अवधारणा, खुदरा विक्रेता के प्रकार, मल्टीचैनल खुदरा बिक्री संगठित खुदरा बिक्री, भारत में संगठित खुदरा बिक्री, खुदरा बाजार रणनीति, खुदरा प्रारूप और लक्ष्य बाजार, विकास रणनीतियां, मूल्य निर्धारण रणनीति। उपभोक्ता व्यवहार, उपभोक्ता व्यवहार के निर्धारक, उपभोक्ता विपणन रणनीति, उपभोक्ता निर्णय लेने की प्रक्रिया, संगठनात्मक उपभोक्ता व्यवहार, खरीद के बाद का व्यवहार।</p> <p>2. सर्विस रिटेलिंग- सर्विस रिटेलिंग का महत्व और इसकी चुनौतियां। सहिष्णुता, सेवा धारणा और अपेक्षा, सेवा रणनीति, सेवा त्रिकोण, विपणन मिश्रण, विपणन विभाजन के सेवा क्षेत्र में उपभोक्ता व्यवहार।</p>	10
II	<p>मर्चेन्डाइजिंग प्रबंधन</p> <p>1. मर्चेन्डाइजिंग फिलॉसफी, मर्चेन्डाइजिंग प्लान, मर्चेन्डाइज बजट, वित्तीय सूची नियंत्रण, मूल्य निर्धारण रणनीति।</p> <p>2. विजुअल मर्चेन्डाइजिंग की मूल बातें, रिटेल स्टोर साइट और डिजाइन, स्टोर लेआउट, इमेज मिक्स, स्टोर एक्सटीरियर और इंटीरियर, कलर ब्लॉकिंग, साइनेज और अंडरस्टैंडिंग मैटेरियल प्लानोग्राम, विंडो डिस्प्ले।</p>	10
III	<p>ई-रिटेलिंग</p> <p>परिचय: ई-कॉमर्स, ई-बिजनेस और ई-मार्केटिंग, ई-कॉमर्स का विकास, ई-कॉमर्स बनाम पारंपरिक वाणिज्य, नेटवर्क इन्फ्रा-स्ट्रक्चर फॉर ई-कॉमर्स, इंटरनेट, एक्स्ट्रानेट ई-कॉमर्स एप्लिकेशन: उपभोक्ता एप्लिकेशन, संगठन एप्लिकेशन, प्रोक्योरमेंट - ऑनलाइन मार्केटिंग और विज्ञापन, ऑनलाइन इंटरएक्टिव रिटेलिंग, ई-कॉमर्स - बिजनेस मॉडल: बी 2 बी, बी 2 सी, सी 2 सी, बी 2 सरकार, सरकार से सरकार।</p> <p>ई-मार्केटिंग: सूचना आधारित मार्केटिंग, ई-मार्केटिंग मिक्स - लागत, कनेक्टिविटी, सुविधा, ग्राहक, इंटरफ़ेस, डिलीवरी की गति। वेब रिटेलिंग, वेबसाइट विकास की प्रक्रिया। ई-रिटेलिंग/रिवर्स मार्केटिंग।</p> <p>इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणाली: भुगतान प्रणाली का परिचय, ऑन-लाइन भुगतान प्रणाली, प्रीपेड ई-भुगतान प्रणाली, पोस्ट-पेड ई-पेमेंट सिस्टम, ई-कैश या डिजिटल कैश, ई-चेक, क्रेडिट कार्ड। स्मार्ट कार्ड, डेबिट कार्ड।</p>	10

(Handwritten signature)

(Handwritten signature)
 (Dr. Neeraj Keshori)

(Handwritten signature)
 (Dr. R. K. Patel)

Practical	
<ul style="list-style-type: none"> • उत्पाद आधारित स्टोर लेआउट • उत्पाद विभाजन • उत्पाद मिश्रण • विडो ड्रेसिंग (प्रदर्शन) • ऑनलाइन खुदरा बिक्री का विश्लेषण (उत्पाद आधारित) • उत्पाद आधारित ऑनलाइन रिटेलर का अनुक्रमण • भुगतान ऐप प्रक्रिया • केस स्टडी • खुदरा बिक्री के सभी पहलुओं को कवर करते हुए उद्योग विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक सत्र। 	30

प्रोजेक्ट फील्ड ट्रिप: ब्रांडेड रिटेल स्टोर का भ्रमण

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Michael lacy, Barton A Weitz and Ajay Pandit, Retail management, Tata Mc Graw Hill Education Pvt. Ltd. New Delhi.
2. KVC Madaan, Fundamental of retailing, Tata Mc Graw Hill Education Pvt. Ltd. New Delhi.
3. Swapna Pradhan, Retail management, Tata Mc Graw Hill Education Pvt. Ltd. New Delhi.
4. K.Rama Mohana Rao: Services Marketing, Pearson, 2 Ed. New Delhi.
5. यू सी गुप्ता, रिटेल बिजनेस मैनेजमेंट, प्रागुन पब्लिकेशन, नई दिल्ली
5. रवि चरवाल, ईकॉमर्स, भारत प्रकाशन, यमुना नगर

Suggested equivalent online courses:

https://nptel.ac.in/content/storage2/courses/downloads_new/110104070/noc19_mg28_Assignment8.pdf
https://onlinecourses.swayam2.ac.in/imb19_mg02/preview



(PROF. PAVAN MISHRA)
 Chairman
 Central Board of Studies (Commerce)

Arnav Singh

Dr. Neeraj Keshani

(Dr. R.K. Patel)